अध्याय–पंचम

सारांश एवं निष्कर्ष

5.1 सारांश एवं निष्कर्ष -

विद्यार्थियो को शिक्षा प्रदान करने के लिए योग्य शिक्षको का होना आवश्यक है । शिक्षको को उनके कार्य मे श्रेष्ठता प्रदान करने के लिए उन्हे प्रशिक्षित करना आवश्यक है । वर्तमान मे अनेक सरकारी, गैर सरकारी तथा मान्यता प्राप्त सस्थाऐ शिक्षको को प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही है ।

'क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय' राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसधान प्रशिक्षण परिषद के अन्तर्गत शिक्षक प्रशिक्षण की एक विशिष्ट सस्था है । जहा अन्य शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो से हटकर विशिष्ट प्रकार के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलते है । यहा चार वर्षीय बी ए बी एड तथा बी एस सी बी एड एव एक वर्षीय बी एड साइस, बी एड कामर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते है यह पाठ्यक्रम कुशल शिक्षको का निर्माण करता है जिनका अपने विषय पर पूर्ण अधिकार होता है ।

कुशल शिक्षक का व्यक्तित्व भी प्रभावशाली होना आवश्यक है । व्यक्तित्व का अर्थ शिक्षक की बाह्य सुदरता से नही है बल्कि व्यक्तित्व वह समग्रता या योग्यता है जिसमे व्यक्ति के सम्पूर्ण बाह्य एव आन्तरिक गुणो का समावेशित दिग्दर्शन होता है ।

व्यक्तित्व को स्पष्ट करने के लिए बहुत सी परिभाषाऐ दी गई है उनमे से महत्वपूर्ण परिभाषा निम्नलिखित है -

आलपोर्ट (1961) -

" व्यक्तित्व व्यक्ति की मनोदैहिक क्षमताओ का गत्यात्मक सगठन है जो उसके विचार एव व्यवहार को निर्धारित करता है ।"

शिक्षक के व्यक्तित्व के गुण उसके शिक्षण कौशल के विकास मे बाधक या सहायक बन सकते है । निस्सदिह ये गुण शिक्षक के व्यक्तित्व और स्थितियो के अनुरूप भिन्न - भिन्न होते है । शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावित करने मे शिक्षक के व्यक्तित्व तथा उसकी शिक्षण कुशलता का बहुत महत्व होता है ।

5.2 प्रस्तुत अध्ययन -

प्रस्तुत अध्ययन द्वारा यह जानने का प्रयास किया गया है कि शिक्षक मे व्यक्तित्व के विशेषको (Traits) का सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के साथ कैसा सबध है । साथ ही यह भी जानने का प्रयत्न किया गया है कि व्यक्तित्व के कौन से विशेषक किस सूक्ष्म शिक्षण कौशल को प्रभावित करते है ।

5 3 शीर्षक -

"व्यक्तित्व विशेषको एव सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के सम्बध का अध्ययन।"

5 4 अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है -

(1) क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल के बी एस सी बी एड चतुर्थ वर्षीय पाठ्यक्रम की छात्राध्यापिकाओं के व्यक्तित्व विशेषको का अध्ययन करना।

(2) क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल के बी एस सी बी एड चतुर्थ वर्षीय पाठ्यक्रम की छात्राध्यापिकाओ मे सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के विकास का अध्ययन करना ।

(3) क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के बी एस सी बी एड चतुर्थ वर्षीय पाठ्यक्रम की छात्राध्यापिकाओ मे सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के विकास पर व्यक्तित्व के विशेषको के प्रभाव का अध्ययन करना ।

(4) क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय की बी एस सी बी एड चतुर्थ वर्षीय पाठ्यक्रम की छात्राध्यापिकाओ के व्यक्तित्व विशेषको एव उनके सूक्ष्म शिक्षण कौशलो मे सह-सबध स्थापित करना ।

5 5 परिकल्पना -

शोध अध्ययन के उद्देश्यो को ध्यान मे रखते हुए शोध समस्या के लिए निम्नलिखित शून्य परिकल्पना निर्धारित की गई है । शून्य परिकल्पना का प्रयोग केवल सांख्यिकी की सार्थकता के परीक्षण के लिए किया जाता है । इस प्रकार की परिकल्पना को नकारात्मक रूप मे विकसित किया है । चरो के सहसबध के लिए नकारात्मक कथन लिखा जाता है । इस प्रकार की परिकल्पना की विशेषता यह है कि इनके लिए कोई सैद्धांतिक आधार या औचित्य प्रस्तुत नहीं होता है ।

1) व्यक्तित्व विशेषको का सूक्ष्म शिक्षण कौशलो पर प्रभाव नही पडता ।

2) व्यक्तित्व विशेषक एव खोजपूर्ण प्रश्न कौशल के बीच सहसबध सार्थक नहीं है ।

3) व्यक्तित्व विशेषक एव व्याख्या कौशल के बीच सहसबध सार्थक नहीं है।

4) व्यक्तित्व विशेषक एव दृष्टात कौशल के बीच सहसबध सार्थक नहीं है ।

5) व्यक्तित्व विशेषक एव उद्दीपन परिवर्तन कौशल के बीच सहसबध सार्थक नही है ।

5 6 न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन मे क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल के बी एस सी बी एड चतुर्थ वर्ष की 50 छात्राध्यापिकाओ को उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श के द्वारा चुना गया।

5.7 उपकरण तथा तकनीक -

1- 16 पी एफ प्रश्नावली (कपूर 1970)

2- पर्यवेक्षण अनुसूची (कथूरिया 1989)

तकनीक- उपरोक्त 50 छात्राओ के व्यक्तित्व अध्ययन के लिए आर बी कैटल द्वारा बनाये गये 16 पर्सनाल्टी फेक्टर टेस्ट का प्रयोग किया गया। अको की गणना कुजी की सहायता से की गई । प्राप्त अको का मध्यमान और प्रामाणिक विचलन निकाला गया । तथा पर्यवेक्षण अनुसूची (कथूरिया 1989) द्वारा कौशलो के विकास का मापन किया गया ।

प्राप्त अको का मध्यमान एव प्रामाणिक विचलन निकाला गया तत्पश्चात् इसके एव व्यक्तित्व परीक्षण द्वारा प्राप्त अको के बीच विभ्रिमिषा गुणक सह सबध (Product Moment Coefficient of Correltatio विधि के द्वारा सहसबध निकाला गया ।

5 8 मुख्य परिणाम -

उपर्युक्त सांख्यिकी विधि को अपनाने के बाद अध्ययन के निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए -

(1) जिन छात्राध्यापिकाओ मे A+ उत्साही, मिलनसार, खुशमिजाज, सरलता से सामजस्य स्थापित करना, प्रत्येक काम मे भाग लेना, एव सहयोग करना तथा L+ आत्म दुराग्रही, मन के अनुसार चलना, हठधर्मी एव Q1+ दानी, दयालु, पक्षपातहीन, स्वतत्र चिन्तन, विश्लेषणात्मक, परम्पराओ एव रूढियो से अप्रभावित तथा Q2+ आत्म - सतुष्टता, स्वय के निर्णय पर विश्वास, उपाय कुशल, व आत्म निर्भरता का गुण पाया गया उनमे खोजपूर्ण प्रश्न कौशल का विकास ज्यादा पाया गया ।

(2) जिन छात्राध्यापिकाओ मे (@-) स्वय पर विश्वास रखना, शात, प्रसन्नचित्त, गभीर, निश्चिन्त, सुरक्षित, निर्मल, सतुष्टता, गुण पाये गये उनमे व्याख्या कौशल का विकास ज्यादा पाया गया । तथा (Q2+) आत्म सतुष्टता स्वय के निर्णय पर विश्वास, उपाय कुशल,आत्म निर्भरता, का गुण पाया गया उनमे व्याख्या कौशल का विकास ज्यादा पाया गया ।

(3) जिन छात्राध्यापिकाओ मे A+ उत्साही, मिलनसार, प्रसन्नचित्त, सरलता से सामजस्य स्थापित करने वाली, प्रत्येक काम मे भाग लेने वाली, सहयोग करने वाली एव O+ बुद्विमान, विचारवान, शक्तिशाली, सघर्षशील, चिन्तित, मूड पर निर्भर, आसानी से स्पर्शी तथा Q1+ दानी, दयालु, पक्षपातहीन, स्वतत्र चिन्तन, विश्लेषणात्मक, परम्पराओ व रूढियो से अप्रभावित तथा Q2+ आत्म सतुष्टता, स्वय के निर्णय पर विश्वास, उपाय कुशल, आत्म निर्भरता का गुण पाया गया उनमे तथा B- कम बुद्वि, कम मानसिक क्षमता होते हुए भी लगातार काम करने की रूचि हो, मूर्त चिन्तन एव Q4- धैर्यशील, हताश नहीं होने वाले, निश्चल, निश्चिन्त, चेतना शून्य शात गुण पाये गये उनमे दृष्टात कौशल का विकास ज्यादा पाया गया ।

(4) जिन छात्राध्यापिकाओ मे (C-) भावुकता, परिवर्तनशीलता, सवेगात्मकता, रूचियो व दृष्टिकोण मे परिवर्तन गुण पाये गये उनमे उद्दीपन परिवर्तन कौशल का विकास ज्यादा पाया गया ।

5 9 निष्कर्ष -

इस अध्ययन के फलस्वरूप निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए -

1- कारक A, L, Q1, Q2 खोजपूर्ण प्रश्न कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से एव सार्थक रूप से सहसबधित है ।

2- कारक O व्याख्या कौशल विकास के साथ ऋणात्मक रूप से व सार्थक रूप से सहसबधित है तथा Q2 व्याख्या कौशल विकास के साथ धनात्मक एव सार्थक रूप से सहसबधित है ।

3- कारक A, O, Q1, Q2 दृष्टात कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से एव सार्थक रूप से सहसबधित है तथा कारक B, Q4 ऋणात्मक रूप से व सार्थक रूप से सहसबधित है ।

4- कारक C उद्दीपन परिवर्तन कौशल विकास के साथ ऋणात्मक रूप से व सार्थक रूप से सहसबधित है ।

5 10 सुधार के सुझाव

(1) सूक्ष्म शिक्षण कौशलो का शिक्षण को प्रभावशाली बनाने मे बहुत योगदान रहता है । अत महाविद्यालयो मे इनके प्रशिक्षण पर और अधिक ध्यान दिया जाना चाहिये ।

(2) ग्रामीण एव शहरी शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो के परिवेश को ध्यान मे रखते हुए उन्हे प्रशिक्षित करना चाहिए ।

(3) शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो की व्यक्तिगत विभिन्नताओ को ध्यान मे रखकर उन्हे प्रशिक्षित किया जाना चाहिऐ ।

(4) प्रवेश के पूर्व शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो के व्यक्तित्व का परीक्षण किया जाना चाहिये एव शिक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण व्यक्तित्व के गुण वाले छात्रो को प्राथमिकता दी जानी चाहिऐ ।

(5) पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओ मे भाग लेने के लिए उन्हे प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे कि उनका आत्मविश्वास बढे ।

(6) प्रशिक्षक एव प्रशिक्षणार्थी के बीच ज्यादा अन्त क्रिया होनी चाहिये ।

5.11 भविष्य के लिये शोध सुझाव -

(1) विभिन्न सूक्ष्म शिक्षण कौशलो पर पृथक-पृथक अध्ययन किया जा सकता है ।

(2) खोजपूर्ण प्रश्न कौशल के विकास पर अध्ययन किया जा सकता है ।

(3) व्याख्या कौशल के विकास पर अध्ययन किया जा सकता है ।

(4) दृष्टात कौशल के विकास पर अध्ययन किया जा सकता है ।

(5) उद्दीपन परिवर्तन कौशल के विकास पर अध्ययन किया जा सकता है ।

(6) बी एस सी बी एड एव बी ए बी एड. के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो मे सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के विकास पर तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है ।

(7) छात्र एव छात्राध्यापिकाओ मे सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के विकास पर तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है ।

(8) बी एड साइस एक वर्षीय पाठ्यक्रम एव बी एड कामर्स एक वर्षीय पाठ्यक्रम के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो मे व्यक्तित्व तथा सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के विकास पर अध्ययन किया जा सकता है ।

(9) बी एस.सी बी एड चतुर्थ वर्षीय पाठ्यक्रम एव बी एड साइस एक वर्षीय पाठ्यक्रम के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो के व्यक्तित्व तथा उनके सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के विकास पर अध्ययन किया जा सकता है ।

(10) क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के तथा अन्य महाविद्यालयो के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो के व्यक्तित्व एव सूक्ष्म शिक्षण कौशलो के विकास पर अध्ययन किया जा सकता है ।

(11) शिक्षण कौशलो का शिक्षण प्रक्रिया पर प्रभाव इस पर शोध कार्य किया जा सकता है ।